



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:17.05.2023

AAJ SAMAJ

कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान तथा परीक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देगा जेसी बोस विश्वविद्यालय

फरीदाबाद। कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और परीक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वार्डप्लाट्टीए, फरीदाबाद ने कृषि-तकनीक क्षेत्र में काम करने वाली एक स्टार्ट-अप कंपनी गोप्लोह वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड जोकि गोप्लो फार्म के रूप में पहचान रखती है, के साथ समझौता किया है। गोप्लो दिल्ली-एनसीआर में जैविक फलों, सब्जियों तथा अन्य कृषि उपज के उत्पादन, परीक्षण और विपणन का कार्य करती है। समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. सुशील कुमार गर्ग और गोप्लो की ओर से कंपनी के संस्थापक श्री सप्लाट सिंह चौहान ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डीन (इस्टीट्यूशन) प्रो. संदीप ग्रोवर, निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चौहान, सह-संस्थापक, गोप्लो फार्म श्री संदीप मेहंदीरत्ना, प्रमुख - क्लीन फूड लैब, गोप्लो फार्म, डॉ. अर्चना कुमारी, और रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। समझौते को व्यवहारिक रूप देने में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. गवि



समझौते का आदान-प्रदान करते हुए।

कुमार ने भूमिका निभाई। समझौते का उद्देश्य यूवी विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, एफटीआईआर, टीएलसी, आदि जैसी प्रासारिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से जैविक एवं पारंपरिक फलों, सब्जियों और प्रमुख उपज में चुनिदा रसायनों (एमआरएल) की पहचान के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) विकसित करना है। इसके साथ ही, पारंपरिक भोजन को जैविक एवं ग्रासायनिक मुक्त भोजन से अलग करने के उद्देश्य से खाद्य उत्पादों (फल, सब्जियां, स्टेपल, डेयरी उत्पाद) के परीक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान किया जाएगा।



NEWS CLIPPING:17.05.2023

PUNJAB KESARI

कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और परीक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएससीए, फरीदाबाद ने कृषिकर्तवीक क्षेत्र में काम करने वाली एक स्टार्ट-अप कंपनी गोप्लोह वेंचस प्राइवेट लिमिटेड जोकि गोप्लो फार्म के रूप में फहाचान रखती है, के साथ समझौता किया है।

फरीदाबाद, 16 मई (पूजा): कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और परीक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएससीए, फरीदाबाद ने कृषिकर्तवीक क्षेत्र में काम करने वाली एक स्टार्ट-अप कंपनी गोप्लोह वेंचस प्राइवेट लिमिटेड जोकि गोप्लो फार्म के रूप में फहाचान रखती है, के साथ समझौता किया है।

गोप्लो दिल्ली-एनसीआर में जैविक फलों, सब्जियों तथा अन्य कृषि उपज के उत्पादन, परीक्षण और विपणन का कार्य करती है। समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग तथा गोप्लो फार्म के संस्थापक सप्राट सिंह चौहान।



समझौते का आदान-प्रदान करते हुए कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग तथा गोप्लो फार्म के संस्थापक सप्राट सिंह चौहान।

(इस्टीट्यूशन) प्रो. संदीप ग्रोवर, निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चौहान, सह-संस्थापक, गोप्लो फार्म संदीप मंहंदीरता, प्रमुख - बलीन फूड लैब, गोप्लो फार्म, डॉ. अर्चना कुमारी, और रसायन विज्ञान एवं जैव विज्ञान के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

समझौते को व्यवहारिक रूप देने में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने भूमिका निभाई।

समझौते का उद्देश्य यूवी विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, एफटीआईआर, टीएलसी, आदि जैसी प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से

जैविक एवं पारंपरिक फलों, सब्जियों और प्रमुख उपज में चुनिंदा रसायनों (एमआरएल) की पहचान के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) विकसित करना है। इसके साथ ही, पारंपरिक भोजन को जैविक एवं रासायनिक मुक्त भोजन से अलग करने के उद्देश्य से खाद्य उत्पादों (फल, सब्जियाँ, स्टेपल, डेयरी उत्पाद) के परीक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान किया जायेगा। गोप्लो फार्म द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की मानसिकता और समस्या समाधान विकसित करने के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित की जायेगी। कुलपति प्रो. तोमर ने समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से विद्यार्थियों को कृषि-प्रौद्योगिकी अनुसंधान और परीक्षण में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलेगी।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:17.05.2023

REPCO NEWS

कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान तथा परीक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देगा जे.सी. बोस विश्वविद्यालय



फरीदाबाद, 16 मई (रैपको न्यूज)। कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और परीक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वार्षिकमीए, फरीदाबाद ने कृषि-तकनीक क्षेत्र में काम करने वाली एक स्टार्ट-अप कंपनी गोप्लो हेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड जोकि गोप्लो फार्म के रूप में पहचान रखती है, के साथ समझौता किया है। गोप्लो दिल्ली-एनसीआर में जैविक फलों, सब्जियों तथा अन्य कृषि उपज के उत्पादन, परीक्षण और विपणन का कार्य करती है।

समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से कूलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और गोप्लो की ओर से कंपनी के संस्थापक श्री सप्ताट सिंह चौहान ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डीन (इंस्टीट्यूशन) प्रो. संदीप ग्रोवर, निदेशक (आर

एंड डी) प्रो. नरेश चौहान, सह-संस्थापक, गोप्लो फार्म श्री संदीप मेहंदीरत्ना, प्रमुख - क्लीन फूड लैब, गोप्लो फार्म, डॉ. अर्चना कुमारी, और रसायन विज्ञान एवं जैव विज्ञान के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। समझौते को व्यवहारिक रूप देने में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने भूमिका निभाई। समझौते का उद्देश्य यूवी विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, एफटीआईआर, टीएलसी, आदि जैसी प्रासारिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से जैविक एवं पारंपरिक फलों, सब्जियों और प्रमुख उपज में चुनिंदा रसायनों (एमआरएल) की पहचान के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) विकसित करना है। इसके साथ ही, पारंपरिक भोजन को जैविक एवं रासायनिक मुक्त भोजन से अलग करने के उद्देश्य से खाद्य उत्पादों (फल, सब्जियाँ, स्टेपल, डेयरी उत्पाद) के परीक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान किया

जायेगा। गोप्लो फार्म द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में उद्यमशीलता की मानसिकता और समस्या समाधान विकसित करने के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित की जायेगी। इसके अलावा, शार्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम, कार्यशालाएं, व्याख्यान और विद्यार्थियों के साथ संवाद के कार्यक्रम आयोजन किये जायेंगे। कुलपति प्रो. तोमर ने समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से विद्यार्थियों को कृषि-प्रौद्योगिकी अनुसंधान और परीक्षण में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलेगी और उनके लिए रोजगार के बेहतर अवसर पैदा होंगे। इससे पारंपरिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने गोप्लो फार्म तथा संबंधित शैक्षणिक विभागों के संकाय सदस्यों को नियमित रूप से शैक्षणिक कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।



NEWS CLIPPING:17.05.2023

DAINIK KALASH JAGRAN

कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान तथा परीक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देगा जेसीबोस विश्वविद्यालय

पारंपरिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए गोप्यो फार्म के साथ किया समझौता

दैनिक कलश जागरण/मनीष कुमारी
फरीदाबाद। कृषि-प्रौद्योगिकी
 के क्षेत्र में अनुसंधान और परीक्षण
 गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्थूल
 से जे.सी. बोस विज्ञान और

संस्थापक समाट सिंह चौहान ने कुलपति प्रो. मुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डीन (इंस्टीट्यूशन) प्रो. संदीप श्रोता, निदेशक (आर एंड प्रौद्योगिकियों एवं पारंपरिक प्रमुख उपज (एमआरएल) मानक स

के माध्यम से जैविक फलों, सब्जियों और में चुनिंदा रसायनों की पहचान के लिए चालन प्रक्रियाएँ

कार्यशालाएं, व्याख्यान और विद्यार्थियों के साथ संवाद के कार्यक्रम आयोजन किये जायेंगे।

कुलपति प्रो. तोमर ने समझौते पर प्रसंसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि



प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाराणसी परीदाचार्द ने कृषि- तकनीक क्षेत्र में काम करने वाली एक स्टार्ट-अप कंपनी गोल्ड वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड जोकि गोल्ड फार्म के रूप में पहचान रखती है, उसके साथ समझौता किया है। गोल्ड टाइटि-एसीआर में जैविक फलों, सब्जियों तथा अन्य कृषि उत्पादकों के उत्पादन, परीक्षण और विपणन का कार्य करती है। स्पष्टीते पर विश्वविद्यालय की ओर से कूलसचिव डॉ. मुनील कुमार गग्न और गोल्ड की ओर से कंपनी के

डी) प्रो. नरेश चौहान, सह-संस्थापक, गोप्ता फार्म संदीप महेंद्रीरत्ना, प्रमुख - कल्याण फूट हैंड लैन, गोप्ता फार्म, डॉ. अचना कुमारी, और रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। समझौते को व्यवहारिक रूप देने में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने भूमिका निभाई। समझौते का उद्देश्य यूनी विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रमन स्पेक्ट्रोमेटर, एफटीआईआर, टीएलसी, आदि जैसी प्रासांगिक

(एसओपी) विकसित करना है। इसके साथ ही, पारंपरिक भोजन को जैविक एवं ग्रासायनिक मुक्त भोजन से अलग करने के उद्देश्य से स्थानीय उत्पादों (फल, सब्जियां, स्टेपल, डेयरी उत्पाद) के परीक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान किया जायेगा।

गोप्ता कार्यालय के विधायियों में उदामशीलता की मानसिकता और समस्या समाधान विकसित करने के लिए कार्यशालाएँ भी आयोजित की जायेगी। इसके अलावा, शार्ट टर्म ट्रैनिंग प्रोग्राम

इस सहयोग में विद्यार्थियों को कृषि-प्रौद्योगिकी अनुसंधान और परीक्षण में व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलेगी और उनके लिए रोजगार के बेहतर अवसर पैदा होंगे। इससे पारपरिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा भिसलेगा। उन्हें गोदान फलां तथा संबंधित शैक्षणिक विभागों के संकाय सदस्यों को नियमित रूप में शैक्षणिक कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि भमज़ौते का और अधिक व्यवहारिक बनाया जा सके।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:17.05.2023

TEHELKA JAZBA

कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान तथा परीक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देगा जेसीबोस विश्वविद्यालय

पारंपरिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए गोप्लो फार्म के साथ किया समझौता

तहलका जज्बा / दीपा गणा
फरीदाबाद। कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और परीक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाईंगमसीए, फरीदाबाद ने कृषि-तकनीक क्षेत्र में काम करने वाली एक स्टार्ट-अप कंपनी गोप्लो फार्म के रूप में पहचान रखी है, उसके साथ समझौता किया है। गोप्लो फार्म-एनसीआर में जैविक फलों, सब्जियों तथा अन्य कृषि उपज के उत्पादन, परीक्षण और विपणन का कार्य करती है। समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से कूलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और गोप्लो की ओर से कंपनी के संस्थापक प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉन (इंस्टीट्यूशन) प्रो. संदीप प्रोवेद, निदेशक (आर.एंड.डी.) प्रो. नरेश चौहान, सह-संस्थापक, गोप्लो फार्म संदीप महेंद्रिरत्न, प्रमुख - कलीन फूल लैब, गोप्लो फार्म, डॉ. अर्द्धना कुमारी, और

रसायन विज्ञान एवं जौव विज्ञान के समझौते को व्यवहारिक रूप देने में

इसके साथ ही, पारंपरिक भोजन को संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। जैविक एवं रासायनिक मुक्त भोजन समझौते को व्यवहारिक रूप देने में से अलग करने के उद्देश्य से खाली

कुलपति प्रो. तोमर ने समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से विद्यार्थियों को कृषि-



रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने भूमिका निभाई। समझौते का उद्देश्य यूवी विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, एफटीआईआर, टीलसी, आदि जैसी प्रासारणिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से जैविक एवं पारंपरिक फलों, सब्जियों और प्रमुख उपज में चुनिदा रसायनों (एमआरएल) को पहचान के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) विकसित करना है।

उपरांत (फल, सब्जियां, स्टेपल, डेवरी उत्पाद) के परीक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान किया जायेगा।

गोप्लो फार्म द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में उद्यमीलता की मानसिकता और समस्या समाधान विकसित करने के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित की जायेगी। इसके अलावा, शार्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम, कार्यशालाएं, व्याख्यान और विद्यार्थियों के साथ संवाद के कार्यक्रम आयोजन किये जायेंगे।

प्रौद्योगिकी अनुसंधान और परीक्षण में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलेगी और उनके लिए योजगार के बेहतर अवसर पैदा होंगे। इससे पारंपरिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने गोप्लो फार्म तथा संबंधित शैक्षणिक विभागों के संकाय सदस्यों को निर्वाचित रूप से शैक्षणिक कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि समझौते का और अधिक व्यवहारिक बनाया जा सके।



NEWS CLIPPING:17.05.2023

NAVBHARAT TIMES

खेती में रिसर्च कराएगी यूनिवर्सिटी

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी व कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रिसर्च और टेस्टिंग संबंधित गतिविधियां बढ़ाने के लिए जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने गोप्लोह वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। यह कंपनी दिल्ली-एनसीआर में जैविक फलों, सब्जियों व कृषि उपज से जुड़ी अन्य चीजों के उत्पादन, टेस्टिंग व मार्केटिंग का काम करती है। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार व गोप्लो कंपनी के संस्थापक सम्माट सिंह चौहान ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते का उद्देश्य नई टेक्नोलॉजी के माध्यम से जैविक व पारंपरिक फलों, सब्जियों व अनाज में चुनिंदा रसायनों की पहचान के लिए SOP विकसित करना है।